Raj Express (Indore), 10th November 2021, Page-02

आयोजन

आईआईटी इंदौर के दीक्षांत समारोह में 498 स्टूडेंट्स ने डिग्री प्राप्त की,अवॉर्ड विनर्स स्टूडेंट्स के पैरेंट्स भी शामिल हुए

पदक और पुरस्कार प्राप्त करने वालों में 11 में से 4 छात्राएं

राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक गौरव अनिल खडसे को, आरती सामल को बूटी फाउंडेशन का स्वर्ण पदक

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर का 9वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को हुआ। दीक्षांत समारोह में कुल 498 स्टूडेंट ने डिग्री प्राप्त की जो अब तक आईआईटी इंदौर से स्नातक करने वाले स्टूडेंट्स की सबसे बड़ी संख्या है। इस दौरान 270 स्टूडेंट्स ही शामिल हुए जबकि 228 स्टूडेंट्स शामिल नहीं हुए। कोविड नियमों का पालन करते हुए समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अवॉर्ड विनर्स स्टूडेंट्स के पैरेंट्स भी शामिल हुए। गौरव अनिल खडसे ने भारत के राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं आरती सामल को बूटी फाउंडेशन का स्वर्ण पदक मिला। कस्तूरी अजीत शर्मा, श्रुति पराग लांडगे, चिन्मय ऋषिकेश लोटे, सुरभि प्रवीण मोधे और आनंददेव मंगेश ने ब्रूजी श्रेणी में संस्थान का रजत पदक प्राप्त किया। विनय सिंह और रेनेश बाबू केपी ने पीजी श्रेणी में संस्थान का रजत पदक प्राप्त किया। वर्तिका पाठक को सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना का पुरस्कार मिला। शेख नेमथ अहमद ने सभी स्नातक स्टूडेंट्स के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए संस्थान का रजत पदक प्राप्त किया। पदक और पुरस्कार प्राप्त करने वाली 11 में से 4 छात्राएं थी।

समाज की उन्नति में देना है योगदानः भारत के राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले गौरव ने बताया मुझे खुशी है कि मुझे इतना महत्वपूर्ण खिताब मिला है। इस संस्थान में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। यहां आकर मुझमें कई बदलाव आए। जब तक मैं 12 वीं कक्षा में तब तक मेरे सोचने की क्षमता अलग थी लेकिन यहां आकर अब क्रिएटिव और इनोवेटिव नजरिया बन गया। हर स्टूडेंट को चाहिए कि वो अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें लेकिन सिर्फ लक्ष्य निर्धारित करने से ही उसे प्राप्त नहीं किया जा सकता बल्कि उसके लिए निरंतर प्रयास और लक्ष्य प्राप्ति के लिए अग्रसर होना पड़ेगा। आईआईटी इंदौर का अनुभव बहुत ही यादगार रहा हैं। मैं चाहता हूं कि शासकीय सेवा देकर देश और समाज उन्नति में अपना योगदान दूं। आरती सामल का कहना हैं मैं साइंटिस्ट बनना चाहती हूं ताकि अपने देश का नाम पूरी दुनिया में ओर अधिक रोशन कर सकूं। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के दौरान मेरी हॉबीज जरुर छूट गई थी, लेकिन मैंने अपनी फिल्ड को ही हॉबी बना लिया जिस वजह से मुझे यह मुकाम हासिल हुआ।

संस्थान ने सभी क्षेत्रों में नवाचार किया

प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक, कार्यवाहक ने कहा मार्च से नवंबर 2020 के दौरान कोविड-19 की पहली लहर और मार्च से जुलाई 2021 के दौरान कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण शैक्षणिक वर्ष 2020-21 कोई सामान्य वर्ष नहीं था। इसने एक तरह से सामान्य को, दुनियाभर में शिक्षा के क्षेत्र में फिर से परिभाषित करने के लिए मजबूर किया है, जिसने केजी से पीजी से लेकर पीएचडी तक के स्टूडेंट्स के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। आईआईटी इंदौर समुदाय ने शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन और सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के सभी क्षेत्रों में नवाचार किया है। संस्थान के अतुल्यकालिक और साथ ही शिक्षण के तुल्यकालिक तरीकों का इस्तेमाल किया, 2021 शरद ऋतु और 2022 वसंत सेमेस्टर को समय पर सफलतापूर्वक पूरा किया और बिना किसी व्यवधान के शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा। इस अवसर पर प्रो. के. विजयराघवन ने सभी स्टूडेंट्स को शुभकामनाएं दी। प्रोफेसर दीपक ने सभी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

15 पीएचडी कार्यक्रमों के 109 स्टूडेंटः दीक्षांत समारोह में कुल 498 स्टूडेंट ने डिग्री प्राप्त की। इसमें 15 पीएचडी कार्यक्रमों के 109 स्टूडेंट शामिल हैं, 5 बीटेक कार्यक्रमों के 246 स्टूडेंट (स्नातक करने वाले बीटेक स्टूडेंट्स की अब तक की सबसे बड़ी संख्या), एमटेक कार्यक्रमों के 41 स्टूडेंट्स जिनमें 3 एमएस (अनुसंधान) कार्यक्रमों के 19 स्टूडेंट और 5 एमएससी कार्यक्रमों के 83 स्टूडेंट शामिल हैं। इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमएस (रिसर्च) प्रोग्राम के पहले बैच के स्टूडेंट्स भी इस दीक्षांत समारोह में स्नातक प्राप्त किया। इसमें भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के.विजय राघवन मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। प्रधानमंत्री के सलाहकार अमित खरे विशिष्ट अतिथि और बीओजी के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. फाटक ने समारोह की अध्यक्षता की।